न्यूज़ बुलेटिन :

सन्मार्ग

वर्ष–2 अंक–11

कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ की प्रस्तुति

मासिक –अक्टूबर, 2023

कालीचरण पी०जी० कॉलेज

हरदोई रोड, चौक, लखनऊ–226003

(लखनऊ विश्वविद्यालय)

सत्र का उद्देश्य

- पढ़ने और सीखने की प्रवृत्ति को रूचिकर बनाना
- शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना
- देश और मानवता के हित में अपने को योजित करना
- नैतिक और धार्मिक मूल्यों का अवगाहन

प्रबन्धक
इं0 वी0 के0 मिश्र
प्राचार्य
प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय

सम्पादकीय

सम्पादक
राजीव यादव

उप–सम्पादक
नितिन कुमार सिंह

सहयोग
पुष्पेन्द्र कुमार

Events at College

2 अक्टूबर को कालीचरण महाविद्यालय में राष्ट्र पिता महात्मा गाँधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर स्लोगन प्रतियोगिता एवं कोलाज मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के समस्त संकायों के छात्र–छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबन्धक इं0 वी0के0 मिश्र एवं प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय ने छात्र–छात्राओं का उत्साहवर्धन किया एवं महाविद्यालय में निरंतर इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए प्रेरित किया। छात्र–छात्राओं की प्रतियोगिताओं के मूल्यांकन हेतु समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी प्रो0 मीना कुमारी, राजनीति विभाग के प्रभारी डॉ0 डी0सी0डी0आर0 पाण्डेय, प्राचीन इतिहास विभाग की प्रभारी प्रो0 डॉ0 अर्चना मिश्रा एवं शारीरिक शिक्षा विभाग की प्रभारी प्रो0 कल्याणी द्विवेदी ने सहयोग प्रदान किया एवं प्रतियोगिता का मूल्यांकन करके प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार वितरण भी किया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ0 पूनम अस्थाना, डॉ0 श्वेता पाण्डेय, डॉ0 स्तुति त्रिपाठी, श्रीमती सुषमा राठौर, डॉ0 नितिन कुमार सिंह का सहयोग रहा एवं समस्त विभागों के शिक्षकों ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

दिनांक 03.10.2023 को वाणिज्य विभाग, कालीचरण पी0जी0 कालेज, लखनऊ द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय के बैंकिंग एवं फाइनेंस विभाग की सहायक आचार्य डॉ0 ज्योति मिश्रा ने अतिथि वक्ता के रूप में विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सी0एस0आर0 समाज के विभिन्न पहलुओं को बेहतर बनाने के साथ–साथ कंपनियों के लिए एक सकारात्मक ब्रांड छवि को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। वाणिज्य विभाग की प्रभारी डॉ0 रश्मि मिश्रा ने विषय का परिचय कराते हुए कहा कि सी0एस0आर0 प्रतिस्पर्धा के युग में व्यवसाई और ग्राहकों के मध्य विश्वास और समर्थन प्राप्त करने में सहायता करता है। व्याख्यान में वाणिज्य विभाग के समस्त प्राध्यापकगण एवं अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

12 अक्टूबर को महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय में हुए टैटू प्रतियोगिता में कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ की छात्रा दिव्यम सोनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

13 अक्टूबर को शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा कालीचरण पी0जी0 कॉलेज में अंतर संकाय रस्साकशी प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग मे बी0ए0 प्रथम वर्ष एवं महिला वर्ग मे बी0ए0 प्रथम वर्ष ने खिताब अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में पुरूषों की पाँच एवं महिलाओं की चार टीमों ने प्रतिभाग किया। नाकआउट आधार पर आयोजित इस प्रतियोगिता के पुरूष वर्ग में फाइनल मुकाबला बी0ए0 तृतीय वर्ष एवं बी0ए0 द्वितीय वर्ष के मध्य खेला गया, जिसमें बी0ए0 द्वितीय वर्ष की टीम ने 2–1 से एक रोमांचक जीत हासिल की। महिला वर्ग में खिताबी मुकाबला बी0एस0सी0 व बी0ए प्रथम वर्ष के बीच खेला गया, जिसमें बी0ए0 प्रथम वर्ष की छात्राओं ने 2–0 से विजय हासिल की।

16 अक्टूबर को कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ में शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से सोमवार को अंतर संकाय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। बीए तीसरे वर्ष के नरेन्द्र कुमार ने पुरूष वर्ग में और महिला वर्ग में लाइब्रेरी साइंस की सृष्टि ने जीत का खिताब अपने नाम किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय ने शतरंज खेलकर शुभारम्भ किया। सभी संकायों के 60 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रो0 कल्याणी द्विवेदी व डॉ0 मुकेश मिश्र सहित शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

17 अक्टूबर को कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ में शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से सोमवार को अंतर संकाय कैरम प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। बी0कॉम तीसरे वर्ष के प्रियांशु शुक्ला ने पुरूष वर्ग में और महिला वर्ग मे बी0एस0सी0 प्रथम वर्ष की छात्रा मुस्कान ने जीत का खिताब अपने नाम किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय ने कैरम खेलकर शुभारम्भ किया। सभी संकायों के 50 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रो0 कल्याणी द्विवेदी व डॉ0 मुकेश कुमार मिश्रा सहित शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

दिनांक 27.10.2023 को कालीचरण महाविद्यालय में **ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता** का आयोजन **डिजिटल इण्डिया फॉर न्यू इण्डिया** द्वारा किया गया। विद्यार्थियों को यह प्रतियोगिता अंतर्देशीय पत्र पर करायी गयी जिससे वर्तमान समय में तकनीकी युग डिजिटल इण्डिया के तहत छात्र–छात्राओं को अंतर्देशीय पत्र से अवगत कराया गया एवं प्रतियोगिता में महाविद्यालय के सभी संकायों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। महाविद्यालय में ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए समय–समय पर करायी जाती है।

30 अक्टूबर को महाविद्यालय में सांस्कृतिक समिति द्वारा मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त विभागों के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में प्रो0 अर्चना मिश्रा एवं प्रो0 कल्याणी द्विवेदी ने सहयोग किया। प्रतियोगिता में सभी ने बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया

निर्णायक मण्डल के द्वारा इनका मूल्यांकन किया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार रोमा शर्मा, बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर की छात्रा ने प्राप्त किया, द्वितीय पुरस्कार रमा भारतीय, बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा ने प्राप्त किया। तृतीय पुरस्कार रागिनी गौतम, बी0कॉम, पंचम सेमेस्टर ने प्राप्त किया एवं सांत्वना पुरस्कार अविनाश रावत, बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर के छात्र ने प्राप्त किया। सांस्कृतिक समिति एवं अन्य विभाग शिक्षिकाओं ने मेहन्दी प्रतियोगिता में सहयोग प्रदान किया।

Teacher's Corner

हरा जख्म

उसका कद लगभग छः फुट का था और चेहरे पर रौब और दृढ़ता थी। देखने से ही वो अन्दर से बड़ा ही मजबूत आदमी प्रतीत होता था पर अचानक एक अनहोनी उसके साथ घटी जिसने उसको झकझोर दिया। उसे बड़े निकट से मैंने देखा था। उससे मेरा कोई परिचय नहीं था पर मेरे लिए वो अजनबी भी नहीं था। पहली बार उसे ढीला देखा था, आँखों में सूजन बरकरार थी पर मैंने उसे रोते हुए नहीं देखा, हाँ वो एकाध बार सिसका जरूर था। मरीज पत्नी को आपरेशन से लड़का हुआ था। तीन लड़कियों के बाद, वह भी कमजोर और बीमार। इलाज बराबर चलता रहा और उसकी आस का दीपक जलता रहा लेकिन इलाज के उस झूठे आश्वासन की पोल दूसरे दिन ही खुल गई और उसका कुलदीपक सदा के लिए उसके जीवन से अंधेरा कर, दुःखों की कालिमा में विलीन हो गया। आस की डोर टूट गई और जीवन नईया की पतवार हाथ से छूट गई, पर इसे भी उसने जल्दी ही सम्भाल लिया लेकिन पुत्र वियोग की पीड़ा दशरथ जैसी साफ–साफ उसके चेहरे पर विद्यमान थी। अन्तर केवल इतना था दशरथ प्राण त्याग कर मुक्त हो गये और वह मुक्ति का कोई साधन नहीं ढूंढ़ सका। वैसे आत्मघात कर सकता था पर शायद कोई मजबूरी हो या वह ऐसी कायरता कर जीवन से पलायन करना नहीं चाहता हो।

मेरा डेरा उस अस्पताल से जल्दी ही उठ गया पर मैं उसे भूल नहीं सका। बात आई गई हो गई, बरसों बीत गये देखते–देखते यह घटना बीस वर्ष पुरानी हो गई। एक दिन अचानक एक विवाह–समारोह में मैंने उसे देखा सामान्य से कुछ अधिक प्रसन्न। उसका साया बना, पूरी दिन चर्चा जानी।

उसने एक चैरेटेबिल ट्रस्ट बनाया था "फोर्थ चाइल्ड मैमोरेबिल ट्रस्ट" वह अपने शहर के बड़े सरकारी अस्पताल में अक्सर जाता लोगों का दर्द बाँटता, दुखियों को हँसाता, धन–जन संसाधन से उनकी मदद करता और कभी किसी के समक्ष कमजोर नहीं पड़ता, पर तन्हाई में गुमसुम हो जाता, घंटों अंधेरे कमरे में बैठा रहता, दर्द भरे गाने सुनता। लोगों में यही चर्चा थी कि ऐसा उदार चरित्र बार–बार नहीं अवतरित होता। धरती के भाग्य से कभी–कभी अवतरित होता है। जिसे कोई दुःख न हों? जो दूसरे के कष्टों को दूर करने में सदा रत रहे। ऐसा उदार चेता पृथ्वी का वरदान होता है। उसके इस रूप को पढ़ने की कोशिश की तो बीस वर्ष पहले की वही सूजी आँखे, सजल नेत्र मेरे सम्मुख नाचने लगे और इसकी घोषणा करने लगे कि कुलदीपक के बुझने की चोट अब जख्म बन चुकी है और वह जख्म आज भी हरा है जिसके प्रताप से उनसे बहुतेरी जिन्दगियों का सूनापन भरा है। गालिब याद आए! दर्द का हद से गुजरना है दवा हो जाना।

आप कहेंगे ये भी कोई कहानी है, तो मैं एक कहानीकार की हैसियत से ये कहूंगा कि हर वो घटना एक कहानी होती है जिससे कोई ऐसा किरदार पैदा हो जो लोगों को कुछ बेहतर करने के लिए प्रेरित करे और आप उससे प्रभावित हुए बिना रह सकें?

प्रो0 मनोज कुमार पाण्डेय
हिन्दी विभाग
कालीचरण पी0जी0 कॉलेज,
लखनऊ

ज्ञान–ध्यान का महत्व

ध्यान करने वाले जिज्ञासुओं को यह भली प्रकार जान लेना चाहिए कि वे, किसका ध्यान करना चाहते हैं – क्योंकि ध्येय के ज्ञान के बिना ध्यान किसी प्रकार नहीं हो सकता। यह भी याद रहे कि जिसका ज्ञान नहीं होता उसका ध्यान किसी प्रकार भी नहीं हो सकता।

ज्ञान का स्वरूप है– यह प्रतीत होकर स्वीकार हो जाना कि परमात्मा ही सत्य तथा सब कुछ है – अन्य कोई सत्य या कुछ नहीं है – और मैं उसी अविनाशी परमात्मा का अंश हूँ– उसमें तथा मुझमें कोई भी भेदान्तर नहीं है।

ध्यान का स्वरूप है –बिखरे हुए विचारों को एक करके उस परमात्मा में लय कर देना। ध्यान द्वारा यह अभ्यास करना होगा तथा अनुभव करना होगा कि "मैं शरीर नहीं हूँ, इन्द्रियों की संवेदना नहीं हूँ, मैं मन तथा बृद्धि भी नहीं हूँ एवं मैं करता या भोगता भी नहीं हूँ। सुख–दुःख मुझ में नहीं है। यह मनन चिंतन का रूप है ध्यानावस्था मे तब मैं क्या हूँ, मैं तो केवल सत्–शिव–सुन्दर हूँ अर्थात् मैं ब्रह्म हूँ। यह मनन तथा चिंतन करते–करते हर रूप से उठकर केवल परमानंद अवस्था में निश्चिन्त हो जाना तथा उसमें स्थिर रहना "ध्यानावस्था" का वास्तविक रूप है।

ज्ञान से संसार के बंधन टूट जाते हैं तथा ध्यान से आनंद की अनुभूति होती है। बंधन टूटते ही संसार की वासनाओं का अन्तःकरण से क्षयीकरण हो जाता है तब ज्ञान प्रभाव से ध्यान स्वयं हो जाता है।

प्रीतिश चन्द्र वैश्य
सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग
कालीचरण पी0जी0 कॉलेज,
लखनऊ

स्मार्ट कक्षा–कक्ष

स्मार्ट कक्षा–कक्ष :– जिसमें स्मार्ट शिक्षण तकनीकि, स्मार्ट कक्षा–कक्ष प्रबंधन, स्मार्ट सीखने का वातावरण तथा स्मार्ट सीखने की सामग्री उपलब्ध होती है इन्हे स्मार्टबोर्ड कक्षा–कक्ष भी कहा जाता है। स्मार्ट कक्षा–कक्ष में लैपटॉप, कम्प्यूटर, एल0सी0डी0 प्रोजेक्टर, स्मार्ट बोर्ड, इंटरनेट, विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रमों पर आधारित सॉफ्टवेयर सामग्री आदि के माध्यम से शिक्षण किया जाता है।

इन कक्षाओं में चॉक से लिखने के स्थान पर स्मार्ट बोर्ड पर, स्मार्ट बोर्ड पेन की सहायता से लिखकर विषय को स्पष्ट किया जाता है तथा विषय को और अधिक स्पष्टता प्रदान करने की दृष्टि से इंटरनेट की सहायता से विषय से सम्बन्धित चित्र, डायग्राम, तालिका आदि को भी प्रस्तुत किया जा सकता है अध्यापक स्मार्ट बोर्ड पर पढ़ाए गए पाठ को सेव करके भी रख सकता है। इससे उसे, उसी विषय को दूसरी कक्षा में पढ़ाने के लिए दोबारा लिखने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। विषय विशेषज्ञों के द्वारा विषय से सम्बन्धित तैयार साफ्टवेयर सामग्री की सहायता से भी प्रभावशाली तरीके से शिक्षण कार्य कर सकता है। वर्तमान समय में कई विद्यालयों और प्रशिक्षण संस्थानों में स्मार्ट कक्षा–कक्ष के माध्यम से शिक्षण कार्य किया जा रहा है।

Benefits of Smart – Class Room

स्मार्ट कक्षा–कक्ष के लाभ

डॉ0 अनीता आर्य
शिक्षाशास्त्र विभाग
कालीचरण पी0जी0 कॉलज,
लखनऊ

Kalicharan in Newspaper

लखनऊ, बुधवार, 18 अक्तूबर 2023 06 हिन्दुस्तान

जनधन और मुद्रा योजना सफल कदम

लखनऊ। कालीचरण पीजी कॉलेज में अर्थशास्त्र विभाग की ओर से वित्तीय समावेशन और जी-20 पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता एलयू के सहायक आचार्य डॉ. हरनाम सिंह रहे। उन्होंने कहा कि सरकारी नीतियां जैसे प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और स्टैंडअप इंडिया वित्तीय समावेशन की ओर सफल कदम हैं। अर्थशास्त्र विभाग की प्रभारी सुषमा राठौर ने बताया कि वित्तीय समावेशन तथा सतत विकास राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समायोजित आर्थिक विकास के लिए जरूरी है।

Scanned with CamScanner

बीए प्रथम व द्वितीय वर्ष की टीमें जीतीं

रस्साकशी प्रतियोगिता जोर आजमाइश करतीं छात्राएं • सौजन्य से कालेज

जासं, लखनऊः कालीचरण पीजी कालेज में अंतर संकाय रस्साकशी प्रतियोगिता हुई। शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से हुई प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में बीए द्वितीय वर्ष एवं महिला वर्ग में बीए प्रथम वर्ष ने खिताब अपने नाम किया।

प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने बताया कि प्रतियोगिता में पुरुषों की पांच एवं महिलाओं की चार टीमों ने प्रतिभाग किया। नाकआउट आधार पर आयोजित इस प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में फाइनल मुकाबला बीए तृतीय वर्ष एवं बीए द्वितीय वर्ष के मध्य खेला गया, जिसमें बीए द्वितीय वर्ष की टीम ने 2-1 से एक रोमांचक जीत हासिल की। महिला वर्ग में खिताबी मुकाबला बी.एस.सी. व बीए प्रथम वर्ष के बीच खेला गया, जिसमें बीए प्रथम वर्ष की छात्राओं ने 2-0 से विजय हासिल की।

IV दैनिक जागरण लख

लखनऊ, 17 अक्टूबर, 2023

एक नजर में

शतरंज प्रतियोगिता में नरेंद्र एवं सृष्टि विजेता

जासं, लखनऊ : कालीचरण पीजी कालेज के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से सोमवार को अंतर संकाय शतरंज प्रतियोगिता हुई। इसका शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने शतरंज खेल कर किया। प्रतियोगिता में 60 खिलाड़ियों ने हिस्सा किया। पुरुष वर्ग में बीए तृतीय वर्ष के नरेन्द्र कुमार और महिला वर्ग में लाइब्रेरी साइंस की सृष्टि ने जीत हासिल की। (जासं)

शतरंज में नरेंद्र व सृष्टि ने जीता खिताब

लखनऊ। कालीचरण पीजी कॉलेज में शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से सोमवार को अंतर संकाय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। बीए तीसरे वर्ष के नरेन्द्र कुमार ने पुरुष वर्ग में और महिला वर्ग में लाइब्रेरी साइंस की सृष्टि ने जीत का खिताब अपने नाम किया। महाविद्यालय के

प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय ने शतरंज खेलकर शुभारंभ किया। सभी संकायों के 60 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रो. कल्याणी द्विवेदी व डॉ. मुकेश मिश्र सहित शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे। (संवाद)